RAJYOG

FOUNDATION

संकल्प से सिद्धि तक

महायोजना
श्री खाटु श्यामजी

उद्देश्य
सनातन धर्म

सनातन नित्य नूतनः के अनुसार इस धर्म का आदि और अंत पता नहीं है, यह नित्य नूतन लगता है, इस कारण इसे सनातन धर्म कहा गया है। सनातन धर्म के खिलाफ हो रहे विभिन्न षड्यंत्र और तथाकथित आधुनिकता पश्चिमी सभ्यता के दुष्प्रभाव के चलते हमारी संस्कृति कठिन चुनौतियों का सामना कर रही है। राजयोग फाउंडेशन ऐसी ही समस्याओं और प्रश्नों के निवारण हेतु प्रयासरत है जिससे पुनः सनातन संस्कृति और भारतवर्ष का गौरव पुनःस्थापित हो सके। जनमानस के बीच सनातन धर्म के प्रति आकर्षण और प्रभाव में वृद्धि होती रहे, सभी हिंदू जनों में एक दूसरे के प्रति प्रेम संगठन समर्पण और सम्मान की भावना का विकास आध्यात्मिक ऊर्जा के माध्यम से होता रहे। भक्तियोग, ज्ञानयोग, ध्यानयोग आदि विविध योगमार्गो के साधकों को व्यक्तिगत आध्यात्मिक उन्नति के लिए मार्गदर्शन करना, सनातन के कार्य का केंद्रबिंदु है। हिन्दू धर्मागत अध्यात्मशास्त्र का वैज्ञानिक परिभाषा में प्रसार करना, राजयोग फाउंडेशन की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य है।

भारतीय संस्कृति के अनुसार पंचतत्व यानी प्रकृति के सभी अवयवों की सुरक्षा और गौ सेवा के माध्यम से जीव जगत के प्रति उदारता की भावना को भी समाज में पुनःस्थापित किया जाए। सनातन संस्कृति के संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए राजधानी लखनऊ के समीपस्थ बारा. बंकी जनपद में जिला मुख्यालय के निकट एक ''धर्म विकास केंद्र'' स्थापित किया जाना प्रस्तावित है जिसके लिए भूमि पूजन एवं शिलान्यास आषाढ शुक्लपक्ष दशमी वि0स0 २०८० तद्नुसार २८ जून २०२३ को फाउंडेशन के द्वारा भूमि पूजन का कार्य संपन्न हो चुका है इस बहुउद्देशीय परिसर में **भगवान श्री खाटू श्याम बाबा का भव्य मंदिर गौशाला, यज्ञशाला, धर्मार्थ पुस्तकालय, युवा विकास केंद्र, तपोवन वाटिका, सत्संग भवन, वेद विद्यालय, उत्सव मंडप, संत निवास, औषधि वाटिका एवं सनातन संस्कारों व पूजा पद्धतियों में इस्तेमाल होने वाली विभिन्न उपयोगी वस्तुओं के निर्माण हेतु एक कुटीर उद्योग** की स्थापना भी की जानी है।

''फाउंडेशन का प्रयास है कि बाराबंकी में स्थापित होने वाला यह केंद्र सनातन संस्कृति और हिंदू समाज के चतुर्दिक विकास और सशक्तिकरण के उद्देश्य को समर्पित हो सके और साथ ही यह पर्यटन स्थल का एक दिव्य केंद्र बन सके।'' जिससे हमारे बेरोजगार युवाओं को स्वतः स्वरोजगार सृजन होने के अनेक अवसर प्रदान होंगे जिससे हमारा समाज समृद्धिवान और शक्तिशाली बनाया जा सके।

संस्थापक एवं प्रमुख, राजयोग फाउंडेशन

सोनिया शर्मा एक प्रेरणादायी उद्यमी और सामाजिक परिवर्तन की संवाहक हैं,

जो शिक्षा, पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

🎓 शैक्षणिक पृष्ठभूमि

बी.बी.ए. – हरियाणा

बी.टेक. – चंडीगढ़

एम.बी.ए. – हरियाणा

🏢 उद्यमशील यात्रा

संस्थापक एवं निदेशक

डी.डी.एफ प्राइवेट लिमिटेड-एक बहु-क्षेत्रीय निजी कंपनी।

मालकिन, ड्रीम वूलन मैन्युफैक्चरिंग –

गुणवत्तापूर्ण निर्माण इकाई, जिसकी शाखाएं पंजाब और लखनऊ में स्थित हैं।

🌱 वर्तमान कार्य

संस्थापक, राजयोग फाउंडेशन – एक सामाजिक संस्था जो पर्यावरण संरक्षण,

शिक्षा विस्तार और महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सोनिया शर्मा का उद्देश्य एक जागरूक, स्वावलंबी और समर्पित समाज का निर्माण करना है।

उनका नेतृत्व दूरदृष्टि, नारी शक्ति और सेवा भावना का सशक्त उदाहरण है।

संस्थापक

राजयोग फाउंडेशन

सोनिया शर्मा

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

औषधि वाटिका और पर्यावरण संरक्षण

RAJYOG

FOUNDATION

संकल्प से सिद्धि तक

शिक्षा और ज्ञान

धर्मार्थ पुस्तकालय

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

महिला सशक्तिकरण

महिला सिलाई केंद्र

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

सनातन धर्म
सेवा गौशाला

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

यज्ञशाला संतनिवास
तपोवन वाटिका

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

युवा विकास केन्द्र

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

चिकित्सा केन्द्र लक्ष्य

हार्ट पेशेंट और कैंसर मरीज हेतू

जब अपना छिन जाए, तब सेवा सिर्फ एक दान नहीं, जीवन का उद्देश्य बन जाती हैं।

बाराबंकी जिले में हार्ट और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए न तो पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ हैं ओर न ही समय पर चिकित्सा पहुँच का कोई साधन। ज्यादातर ग्रामीणों को इलाज के लिए लखनऊ जैसे बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता हैं, जो कई बार जीवन और मृत्यु के बीच का फर्क बन जाता हैं। सोनिया शर्मा इस पीड़ा को केवल दूर से नहीं देखती, उन्होंने इसे जिया हैं। उनके परिवार में तीन हार्ट पेशेंट और एक कैंसर मरीज हैं। दुर्भाग्यवश, एक हार्ट पेशेंट को समय पर अस्पताल न पहुँचाने की वजह से उन्हें खोना पड़ा। यह केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं थी, बल्कि एक चेतना थी कि ऐसा ओरों के साथ न हो।

इसी दर्द और अनुभव से जन्मा हैं सोनिया शर्मा का संकल्प- **राजयोग फाउंडेशन** के अंतर्गत श्री खाटू श्याम जी मंदिर परिसर में एक आधुनिक, पूर्णतः निशुल्क चिकित्सालय की स्थापना। यह अस्पताल केवल एक भवन नहीं, बल्कि बाराबंकी और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र के उन सैंकड़ों परिवारों के लिए जीवन रेखा होगा, जिन्हें अब तक सिर्फ दूरी और संसाधनों की कमी के कारण अपनों को खोना पड़ा।

सोनिया शर्मा का मानना हैं कि स्वास्थ्य कोई सुविधा नहीं, एक मूलभूत अधिकार हैं, और जब तक हर अंतिम व्यक्ति को समय पर इलाज नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा हैं।

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

अनाथ आश्रम और वृद्धा आश्रम

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

कुटीर उद्योग

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

हमारा परिवार

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

हमारा परिवार

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

अख़बारों की सुर्ख़ियों में

होली खेल रहे बांके बिहारी...

एनबीटी, बाराबंकी: हैदरगढ़ रोड के मंजीठा स्थित श्रीखाटू श्याम मंदिर में श्री श्याम फागुन उत्सव के दूसरे दिन सोमवार को फूलों की होली खेली गई और भजन संध्या का आयोजन हुआ। राजयोग फाउंडेशन की ओर से आयोजित उत्सव में राधा-कृष्ण की लीलाओं का मंचन देखने कानपुर, गोंडा, बहराइच आदि से भी श्रद्धालु पहुंचे। होली खेल रहे बांके बिहारी..., आज रंग बरस रहा..., होली खेलैं रघुवीरा अवध मा..., मेरा श्याम सबसे प्यारा है... जैसे भजनों ने पर भक्त जमकर थिरके। अंत में भंडारा भी हुआ।

मंजीठा के श्री खाटू श्याम मंदिर में खेली गई फूलों की होली

हंसी-ठिठोली के साथ उड़े होली के रंग: बाराबंकी स्थित श्रीगंगा मेमोरियरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज, पैसार में सोमवार को होली मिलन कार्यक्रम हुआ। इसमें हंसी-ठिठोली के साथ गीत-संगीत के दोहरे रंग देखने को मिले। कवि पुष्पेंद्र और ओज कवि रवि अवस्थी रुद्रांश ने प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान संयोजक अजय प्रधान व प्रदीप सारंग, वीणा सुधाकर ओझा, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. बलराम वर्मा, महाविद्यालय प्रबंधक चंद्र किशोर वर्मा, लता श्रीवास्तव, किरण भारद्वाज, शिवकुमार व्यास, डॉ. अंबरीष अंबर, नागेंद्र सिंह, सीताकांत स्वयंभू, ओपी वर्मा ओम, अनिल श्रीवास्तव लल्लू, डॉ. आलोक शुक्ला, सनत अनाड़ी, जितेंद्र श्रीवास्तव मौजूद रहे।

मंजीठा गांव स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर भजनों पर झूमते भक्त।

मत मारो श्री खाटू श्याम मोए पिचकारी...

सतरिख। क्षेत्र के मंजीठा गांव के समीप स्थित श्री खाटू श्याम के मंदिर में रविवार को एक दिवसीय फागुन महोत्सव का आयोजन किया गया। श्री खाटू श्याम मंदिर में सुबह से ही पूजन अर्चन करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुट गई। इस दौरान मंदिर को भव्य तरीके से फूलों से सजाया गया। मंदिर परिसर पूरा दिन श्री खाटू श्याम के जयकारों से गूंजायमान रहा। हजारों की संख्या में भक्तों ने मंदिर में आकर प्रसाद चढ़ाया और मनोवांछित फल पाने की कामना की।

अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो...

बीज नफरत की भावनाओं का मिलकर जलाएं होली

होली खेल रहे बांके बिहारी आज रंग बरस रहा ...

मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में राधा-कृष्ण की झांकी प्रस्तुत करते कलाकार • जागरण

- मंजीठा के श्री खाटू श्याम मंदिर में खेली फूलों की होली

संसू, बाराबंकी : मंजीठा स्थित श्रीखाटू श्याम मंदिर में श्री श्याम फागुन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। भव्य फूलों की होली खेली गई। भजन संध्या का भी आयोजन किया गया।

राजयोग फाउंडेशन की ओर से आयोजित उत्सव में राधा-कृष्ण की लीलाओं का मंचन देखने के लिए जिले ही नहीं लखनऊ, कानपुर, गोंडा, बहराइच समेत कई जनपदों से श्रद्धालु पहुंचे। शाम को फूलों व गुलाल की होली खेली गई। भजन संध्या में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति की गई। होली खेल रहे बांके बिहारी, आज रंग बरस रहा...। सांवरे को दिल में बसा करके देखो..., मेरा श्याम सबसे प्यारा है, सबसे न्यारा है... जैसे भजनों ने भक्तिरस का प्रवाह किया। इसके बाद भंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

यज्ञ से मिलती है सत्कर्म की प्रेरणा

संसू, सूरतगंज (बाराबंकी) : नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण के प्रथम दिन कथा व्यास जवाहरलाल मिश्रा ने कहा कि आज हर आदमी किसी न किसी समस्या से जूझ रहा है। आज की समस्याओं का प्रमुख कारण दुश्चिंतन है। गायत्री और यज्ञ भारतीय संस्कृति के आधार हैं। ऐसे में यज्ञ के द्वारा सत्कर्म की प्रेरणा मिलती है। प्रातः काल श्रद्धालु जनों ने विश्व कल्याणार्थ यज्ञाग्नि में आहुतियां अर्पित की। इस मौके पर यज्ञ में पूर्व प्रधान अमित सिंह, विनीत सिंह, मनोज सिंह, शेष नारायण अवस्थी, धनेंद्र सिंह, सहज राम वर्मा, धनेंद्र सिंह आदि ने परिवार के साथ प्रतिभाग किया। इस मौके पर चक्रेश पांडेय, राजेश सिंह, रामबरन वर्मा मौजूद रहे।

निर्जला एकादशी पर हुआ खाटू बाबा का भव्य श्रृंगार

संवाद न्यूज एजेंसी

बाराबंकी। मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में शुक्रवार को निर्जला एकादशी पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खाटू बाबा का भव्य शृंगार विशेष रूप से दिल्ली और कोलकाता से मंगाए गए फूलों से किया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा।

शाम होते ही मंदिर परिसर भक्ति रस में डूब गया। भजन गायक राजन रस्तोगी, अशोक शर्मा व अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। इस दौरान अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो, हारा हूं साथ निभाओ न बाबा, भर दे रे श्याम झोली मेरी जैसे भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया।

आयोजन समिति की ओर से पूरे कार्यक्रम के सुचारु संचालन की विशेष व्यवस्था की गई थी। जिला ही नहीं, लखनऊ, गोंडा, बहराइच, कानपुर समेत आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। पूरा मंदिर परिसर खाटू श्याम बाबा की जय के जयघोष से गूंजता रहा।

मंजीठा गांव के निकट खाटू श्याम मंदिर में सजा दरबार। स्रोत : आयोजक

वैदिक मंत्रों के बीच हुई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

टिकैतनगर (बाराबंकी)। जीवल स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में पंचकुंडीय महायज्ञ एवं श्रीराम कथा के पांचवें दिन धार्मिक आस्था और परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। यज्ञाचार्य आचार्य कौशल किशोर महाराज ने पूर्ण वैदिक विधि-विधान के साथ शिखर स्नान, मूर्ति स्नान तथा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण एवं माता सीता व हनुमान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और हवन की दिव्य अग्नि के बीच पूजा-अर्चना की गई। आचार्य ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा का अर्थ केवल मूर्ति की स्थापना नहीं, बल्कि उसमें दिव्य चेतना का आवाहन होता है। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने नव प्रतिष्ठित विग्रहों का दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर विनोद मिश्रा, अजय शुक्ला, मोनू मिश्रा, वीरेंद्र पांडेय, विजय तिवारी, विपिन मिश्रा आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

होली खेल रहे बांके बिहारी आज रंग बरस रहा ...

प्रक्रिया शुरू हुई थी। जिसके तहत सोमवार को सुबह 10 बजे से मतदान शुरू हुआ। मतदान में कुल 90 ... तेज बहादुर सिंह ने 42 मत प्राप्त किया। जबकि उनके प्रतिद्वंदी परशुराम मिश्रा को 32 मत ही मिले। दो मत अवैध

हारा हूं साथ निभाओ न बाबा भर दे रे श्याम झोली मेरी...

बाराबंकी। मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में फाल्गुनी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर खाटू श्याम बाबा का श्रद्धालुओं की ओर से भव्य श्रृंगार किया गया।

भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को शुरू हुई भजन संध्या में एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति दी गई। खाटू बाबा का भव्य श्रंगार दिल्ली से मंगाए गए फूलों से किया गया। दिल्ली के भजन गायक धीरेंद्र हलचल, अयोध्या के गायक शिवा भारती व बाराबंकी के राजन रस्तोगी, अशोक शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति की। हारा हूं साथ निभाओ न बाबा, भर दे रे श्याम झोली मेरी भर दे। वीर हनुमान अति बलवाना, अरे द्वार पाले कन्हैया से कह दो, हारे का सहारा मेरा खाटू श्याम हमारा, सांवरे को दिल में बसा के तो देखो, जब से तेरा सहारा मिला सांवरे मेरे बनने लगे बिगड़े काम सांवर समेत कई भजन प्रस्तुत किए गए।

मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में फाल्गुनी महोत्सव में सजा दरबार

समीक्षा बैठक के अतिथि थे राज्यमंत्री, पात्रों का चयन कर सूची में नाम शा

अरे द्वार पालों कन्हैया से कह दो...

निर्जला एकादशी पर मजीठा के श्री खाटू श्याम मंदिर में सजाया बाबा का दरबार • जागरण

संवादसूत्र जागरण • बाराबंकी : मजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी महोत्सव के रूप में श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को धूमधाम से मनाई। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर पर दर्शन के लिए एकत्र हो गई। खाटू श्याम बाबा का भव्य श्रृंगार कोलकाता से मंगाए गए फूलों से किया गया।

भजन संध्या के आयोजन का आयोजन देर शाम तक चलता रहा। भंडारे का भी आयोजन हुआ, जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को शुरू हुई भजन संध्या में एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजन गायक राजन रस्तोगी, अशोक शर्मा व अन्य गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी।

हारा हूं साथ निभाओ न बाबा, भर दे रे श्याम झोली मेरी भर दे। वीर हनुमान अति बलवाना, अरे द्वार पालों कन्हैया से कह दो, हारे का सहारा मेरा खाटू श्याम हमारा, सांवरे को दिल में बसा के तो देखो, जब से तेरा सहारा मिला सांवरे मेरे बनने लगे बिगड़े काम समेत कई भजन प्रस्तुत किए गए। राजयोग फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नगर के अलावा लखनऊ, बहराइच, गोंडा, कानपुर से भी कई श्रद्धालु पहुंचे।

खूब उड़ाया गुलाल गीतों पर किया नृत्य

मंजीठा में होली मिलन समारोह के दौरान गुलाल लगाकर नृत्य करते लोग। स्रोत आयोजक

संवाद न्यूज एजेंसी

बाराबंकी। होली मिलन समारोह में जहां जमकर गुलाल उड़ाया, वहीं गीतों पर खूब नृत्य किया। सोमवार को मंजीठा स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में श्री श्याम फागुन उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

राजयोग फाउंडेशन की ओर से आयोजित उत्सव में राधा-कृष्ण की लीलाओं का मंचन देखने दूरदराज से श्रद्धालु पहुंचे। शाम को फूलों व गुलाल की होली खेली गई। गीतों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति की गई। होली खेलैं रघुवीरा अवध मा होली खेलैं रघुवीरा..., सांवरे को दिल में बसा करके देखो.. आदि भजनों पर श्रद्धालु थिरकते रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद का वितरण किया गया।

श्रीकृष्ण व सदामा की मित्र

धन्यवाद एंव आह्वान

''आईए, इस महान प्रयास में हमारी सहभागी बनिए''

यज्ञशाला, चिकित्सालय, शिक्षाशाला, वेशाला, कन्या विवाह, दैनिक वैदिक अनुष्ठानों हेतु, आयुर्वेदिक एवं आप्तुनिक विकित्सा केंद्र, वैदिक ज्ञान और नैतिक शिक्षा का प्रसार जहाँ खगोल विज्ञान का अध्ययन किया जाता है.जहाँ कन्याओ का विवाह होगा

गौशाला, अन्नक्षेत्र, भजनशाला, गुरुकुल

गौसेवा और संरक्षण के लिए सभी के लिए निःशुल्क भोजन सेवा भक्ति संगीत और सत्संग के लिए यह शिक्षा प्रणाली प्राचीन भारत में प्रचलित थी. वृद्धाश्रम एवं अनाथ आश्रम वृद्ध एवं अनाथ के लिए आश्रम

जब खुलेंगे मंदिर के द्वार, मिलेगा बहुत सारे लोगों को रोजगार

एक दिव्य यात्रा **''मंदिर स्वरुप से भव्य धाम तक''**

राजयोग फाउंडेशन सदैव सेवा, संस्कार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित रहा है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए. फाउंडेशन ने एक छोटे से मंदिर की स्थापना की थी एक ऐसी जगह जो आस्था, शांति और आत्मिक ऊर्जा का केंद्र बने। यह छोटा मंदिर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं था, बल्कि सैंकड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उम्मीदों का प्रतीक बना। जैसे-जैसे समय बीता, यह स्थल आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया और लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने लगा। अब राजयोग फाउंडेशन ने लिया है संकल्प इस छोटे से मंदिर को एक भव्य, दिव्य और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित करने का। भव्य शिखर और विस्तृत प्रांगण ध्यान केंद्र, सत्संग हॉल और यज्ञशाला हरियाली और पर्यावरण-अनुकूल वास्तुकला सभी धर्मों और समुदायों के लिए एक समर्पित आध्यात्मिक स्थल

यह परिवर्तन केवल मंदिर का नहीं, बल्कि समाज की चेतना का भी है। जब एक मंदिर स्वरुप भव्य धाम बनता है, तो उसमें हजारों लोगों की भावनाएं, सेवाएं और आशीर्वाद जुड़ते हैं। आइए, इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें। एक ईंट नहीं, एक आस्था जोड़ें। एक दान नहीं, एक संकल्प दें।

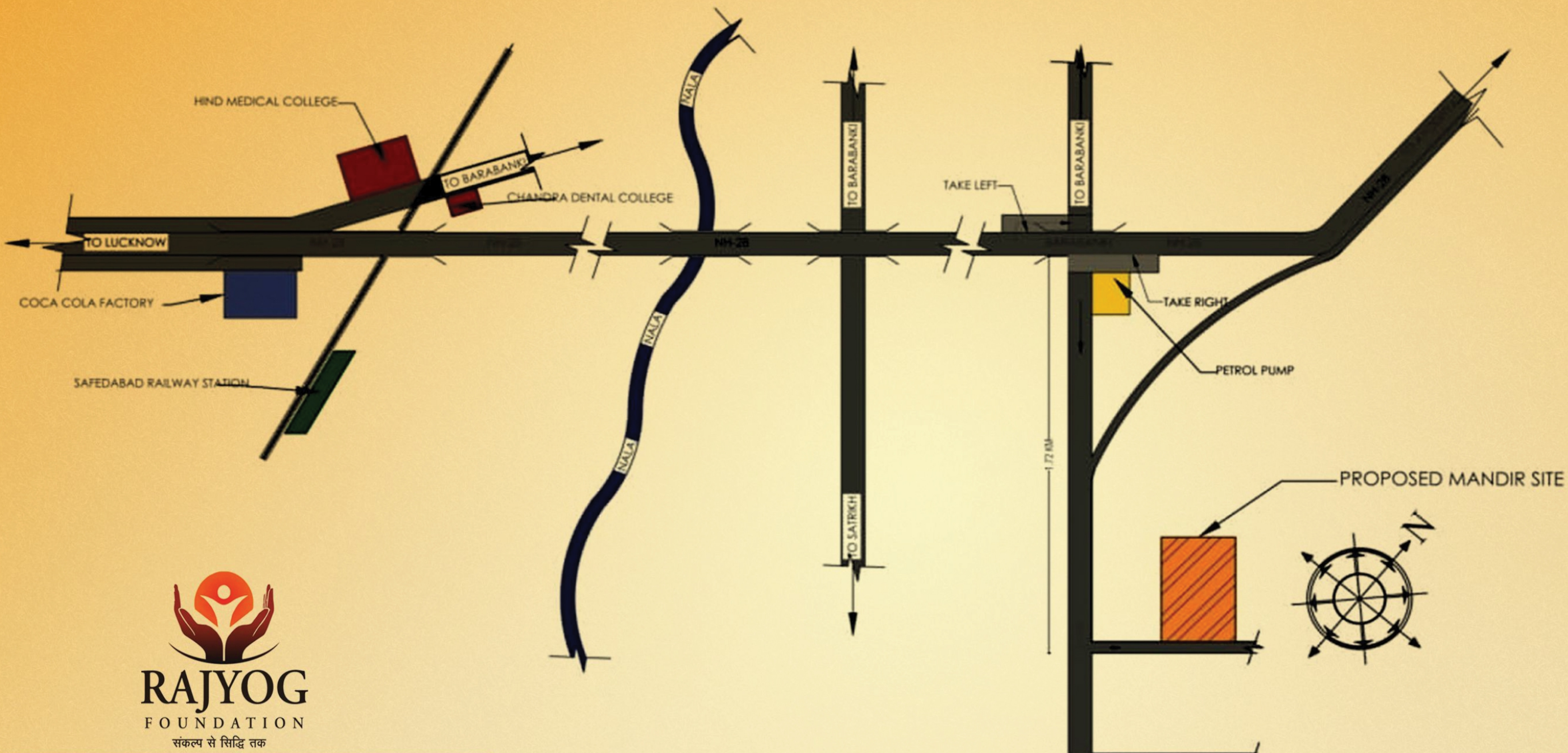

RAJYOG
FOUNDATION
संकल्प से सिद्धि तक

www.rajyogfoundation.org
info@rajyogfoundation.org
404 Crescent Royal Off New Link Road Andheri West Mumbai-400053
Barail, Barabanki Uttar Pradesh -225001
Mob.: 7007491089, 9415075718 Toll free - 1800 890 2289

PROJECT TITLE

PROPOSED
KHATU SHYAM TEMPLE
FOR RAJYOG FOUNDATION
AT
HYDERGARH ROAD,
DISTT: BARABANKI

ZEESHAN AHMAD

SCALE : NOT TO SCALE

NORTH

ARCHITECT :
KAUSAR PARVEZ

DRAWING RELEASED FOR:
ADVANCE COPY
TENDER
APPROVAL
CONSTRUCTION

OWNER | CONTRACTOR | ARCHITECT

PROJECT ENGR.

CLIENT :
RAJYOG FOUNDATION

DRG. TITLE
KEY PLAN

ARCHITECTURAL CONSULTANCY
VIJIT & ASSOCIATES
ARCHITECTS, ENGINEERS & PLANNERS
121, F.FLOOR, PRINCE COMPLEX, N.K.ROAD,
HAZRATGANJ, LKO.